डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

ट्रांसजेंडर्स सेल

डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

संख्याः प्रशा0/127/24 दिनांक : 28/02/2024

कार्यालय आदेश

विश्वविद्यालय में सामाजिक समन्वय के तहत ट्रॉन्सजेंडर विद्यार्थियों के शैक्षणिक माहौल को अनुकूल बनाने, शैक्षणिक स्तर को मजबूत करने, सामाजिक जीवन में आने वाली दुश्वारियों का समाधान करने, विश्वविद्यालय के साथ ही बाहर भी गतिविधियॉं बढाये जाने एवं कौशल विकास के साथ ही आत्म निर्भर बनाये जाने हेतु मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 28.02.2024 को ट्रॉन्सजेंडर सेल गठित किया गया है, जिसके सदस्य निम्नवत हैं :—

1. प्रो0 हेमा पाठक — समन्वयक
2. प्रो0 रनवीर सिंह, सदस्य
3. डा0 स्वाती माथुर, सदस्य
4. श्रीमती पूजा सक्सैना, सदस्य

अतः उपरोक्त समिति को निर्देशित किया जाता है कि विश्वविद्यालय में ट्रॉन्सजेंडर विद्यार्थियों की समस्याओं का ससमय निवारण करना सुनिश्चित करें।

कुलसचिव

डॉ भीमराव आम्बेडकर विश्विधालय आगरा में किन्नर समाज को दिया सम्मान

आगरा। उमंग, उत्साह और उल्लास से सराबोर जब दिव्यांगों ने रैंप कैटवॉक किया तो आगरा विश्विधालय का पूरा संस्कृति भवन तालियों की गरगराहट से गूंज उठा। दिव्यांगों का आत्मविश्वास एक-एक के लिए प्रेरणास्रोत बन कर उभरा। ये अवसर था डॉ भीमराव आम्बेडकर विश्विधालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 आगरा की आवाज और रिवाज संस्था द्वारा दिव्यांगों के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक पहल कर उन्हें सम्मानित करते हुए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का जिसमें संकल्प नाम से भारतीय वेशभूषा का फैशन शो और कर्मयोगी पुरस्कार समारोह का। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि. की कुलपति प्रो. आशु रानी, किन्नर समाज से महामंडलेश्वर मयूरी नंदगिरी, संजना नंदगिरी और पार्वती नंदगिरी, विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो की कार्यक्रम अधिशासीऔर जनसम्पर्क अधिकारी पूजा सक्सेना, रिवाज संस्था की अध्यक्षा मधु सक्सैना, सुनील स्वतंत्र कुमार और स्वेता वार्ष्णेय ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रवन्जलन कर किया

कार्यक्रम की शुरूआत भूमि गोयल की

आकर्षक नृत्य प्रस्तुति से हुई। पहले सिक्वेंस में साधारण मॉडल्स ने कैटवॉक किया। उसके बाद दूसरे सीक्वेंस में दिव्यांगों ने संस्था के सदस्यों के साथ कैटवॉक कर फैशन शो को नयी उचाइयां दी। करीब 15 दिव्यांग कैटवॉक करते हुए मंच पर उतरे तो सभी ने उनको खूब सराहा । मधु नगर से आए रजत गोयल को वीलचेयर से गायन की प्रस्तुति दी तो सभी की आँखों आ गए मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि समाज में दिव्यांग व्यक्तियों को कमजोर न समझा जाए। आज के समय में मानसिक विकलांगता ज्यादा है। महामहिम राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की इच्छा थी की विश्वविद्यालय में किन्नर बच्चे पढ़े और आज दस बच्चे पढ़ भी रहे है। साथ ही उन्होने कहा की जल्द ही विश्विधालय का सामुदायिक रेडियो किन्नर समाज और दिव्यांगजन को स्किल डेवलपमेंट कोर्स के तहत निशुल्क रेडियो प्रोग्रामिंग और प्रोडक्शन का सर्टिफिकेट कोर्स भी कराइगा. और जल्द ही और नये कोर्स भी इनके लिए तैयार कर शुरू किये जा रहे हैं जिन्हे विश्विधालय परिसर में ही पढ़ाया जायेगा महामंडलेश्वर मयूरी, संजना और पार्वती नंदगीरी ने सयुक्त रूप से कहा कि किसी भी व्यक्ति की दिव्यांगता उनकी कमजोरी का कारण न बने। ऐसा समाज का प्रयास होना चाहिए। आज किन्नर समाज के लोग भी बुलंदिया छू रहे है रिवाज संस्था की अध्यक्षा मधु सक्सेना ने बताया कि साहस और आत्मविश्वास से परिपूर्ण दिव्यांगों ने साधारण लोगों के साथ एक मंच पर उतर कर साबित कर दिया कि वो भी किसी से कम नहीं है। दिव्यांगों को आजीविका के अवसर दिलाने के लिए रिवाज पिछले नौ वर्षों से निरंतर कार्य कर रही है। मंच संचालन अशिका सक्सेना ने किया। धन्यवाद धर्मेंद्र सैनी ने दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रेडियो इंजीनियर तरुण श्रीवास्तव, शकुन बंसल, अखिल मोहन मितल, राहुल बंसल, रीना जाफरी, निमिषा गोखानी, प्रो अर्चना सिंह, निशा सिंघल, पूजा बंसल, अलका अग्रवाल, रिचा गर्ग, महेश सारस्वत, निर्मला आदि रहे।

इन्हे मिला दिव्यांग अनमोल रत्न रिवाज दिव्यांग अनमोल रत्न से विशाल रायजादा, सुबेदार लीलाराम, गौरव सैनानी, रजत गोयल, भूमि गोयल, ललिता मनसिया, आमिर सिद्दकी, मनोज वर्मा, कहकशा खान, पियूष शर्मा, नजमा, चंदन, मुस्कान इन्हे मिला कर्मयोगी सम्मान डॉ. जॉली गोयल, कोमिला सुनेजाधर, वंदना सिंह, एड. नमृता मिश्रा, भरत शर्मा, डॉ. राहुल उपाध्याय, डॉ. जोगिंदर सिंह इंदोलिया, जीनत जिशान, तौश्मा पॉल, इंद्रेश कुमार, टोनी फास्टर, श्रुति सिंहा मौजूद रहीं।

डॉ भीमराव आम्बेडकर विश्विधालय आगरा में किन्नर समाज को दिया सम्मान

(18.2.24) डॉ भीमराव आम्बेडकर विश्विधालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 "आगरा की आवाज़" और रिवाज संस्था द्वारा किन्नर समाज की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक पहल कर उन्हें सम्मानित करते हुए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का.

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि. की कुलपति प्रो. आशु रानी, किन्नर समाज से महामंडलेश्वर मयूरी नंदगिरी, संजना नंदगिरी और पार्वती नंदगिरी, विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो की कार्यक्रम अधिशासी और जनसम्पर्क अधिकारी पूजा सक्सेना, रिवाज़ संस्था की अध्यक्षा मधु सक्सैना, सुनील स्वतंत्र कुमार और स्वेता वार्ष्णेय ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रवन्जलन कर किया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि समाज में दिव्यांग/ किन्नर व्यक्तियों को कमजोर न समझा जाए। आज के समय में मानसिक विकलांगता ज्यादा है। महामहिम राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की इच्छा थी की विश्वविद्यालय में किन्नर बच्चे पढ़े और आज दस बच्चे पढ़ भी रहे है। साथ ही उन्होने कहा की जल्द ही विश्विधालय का सामुदायिक रेडियो किन्नर समाज और दिव्यांगजन को स्किल डेवलपमेंट कोर्स के तहत निशुल्क रेडियो प्रोग्रामिंग और प्रोडक्शन का सर्टिफिकेट कोर्स और जल्द ही और नये कोर्स भी इनके लिए तैयार कर शुरू किये जा रहे हैँ जिन्हे विश्विधालय परिसर में ही पढ़ाया जायेगा.

महामंडलेश्वर मयूरी, संजना और पार्वती नंदगीरी ने सयुक्त रूप से कहा कि किसी भी व्यक्ति की दिव्यांगता उनकी कमजोरी का कारण न बने। ऐसा समाज का प्रयास होना चाहिए। आज किन्नर समाज के लोग भी बुलंदिया छू रहे है।

दिनांक 26 फरवरी को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में माननीया देविका एस दवेन्द्र, प्रदेश कार्यकारिणी, सदस्य सलाहकार, उत्तर प्रदेश सरकार, राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड, दर्जा प्राप्त मंत्री का आना हुआ.

सबसे पहले उन्होंने कुलपति प्रो आशु रानी, प्रती कुलपति प्रो अजय तनेजा, कुलसचिव डॉ राजीव कुमार, डीन अकादमिक प्रो संजीव कुमार, प्रभारी संस्कृति भवन प्रो संजय चौधरी, उप कुलसचिव पवन कुमार और जनसम्पर्क अधिकारी पूजा सक्सेना से आधिकारिक भेंट की और विश्विधालय की प्रगति पर चर्चा की। जिसमें कुलपति जी ने अवगत कराया की ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 10 छात्र विश्विधालय में पढ़ रहे हैँ और आगे भी उनकी संख्या बड़े इसका प्रयास है. कुलसचिव जी ने बताया की जल्द ही ट्रांसजेंडर सेल बनाया जा रहा है. बाकि सभी ने उन्ही विश्विधालय की विज़न और मिशन भी बताये.

देविका जी विश्विधालय के समाज कार्य विभाग के द्वारा जुबिली हाल में ट्रांसजेंडर समुदाय का समाज हेतु सहयोग संभावनाएं एवं चुनौतियां नामक गोष्ठी में गईं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ट्रांसजेंडर बोर्ड की मुख्य सलाहकार एवम सदस्य देविका एस देवेंद्र मंगलामुखी रहीं। मुख्य वक्ता के तौर मुख्य अतिथि जी ने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों के बारे में छात्रों को अवगत कराया और साथ ही साथ छात्रों से अपनी इस मुहिम में जुड़ने का आवाहन भी किया। कार्यक्रम के दौरान समाज कार्य विभाग के छात्रों को मुख्यातिथि से रूबरू होने का अवसर प्राप्त हुआ जिसमे छात्रों ने अपने अंदर जागृत हुए प्रश्नों को मुख्य वक्ता के साथ साझा किया। कार्यक्रम के दौरान ही समाज विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो मो अरशद ने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय की समाज में स्थान एवं उनकी उपयोगिता के बारे में छात्रों को अवगत कराया।

इसके पश्चात ट्रांसजेंडर बोर्ड की मुख्य सलाहकार एवम सदस्य देविका एस देवेंद्र मंगलामुखी जी ने विश्विधालय के सामुदायिक रेडियो पर अपना साक्षात्कार दिया और सरकार द्वारा चलाई जा रही ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए कई नीतियों के बारे में बताये और कहा की अब चुप्पी तोड़ो और सामने आकर शिक्षा ग्रहण कर अपने को मज़बूत बनाओ और देश की प्रगति में सहयोग करो. उन्ही खुद भी उच्च शिक्षा के द्वारा ही आज ये सम्मान और राज्य सरकार का दर्ज़ा प्राप्त हुआ है.

(Video Interview)https://youtu.be/B_LwtyRU6qU?si=o-Ijrnpf_OD2N-nU

मीडिया कवरेज की कुछ झलकियां....

विवि में बनेगी ट्रांसजेंडर सेल, बढ़ेगी छात्रों की संख्या

उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की प्रमुख सदस्य ने जानी व्यवस्थाएं

वीसी से मुलाकात करतीं ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की सदस्य देविका एस. देवेंद्र। संवाद

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर सेल खोली जाएगी। इससे मंगलामुखी विद्यार्थियों को प्रवेश सहित अन्य शैक्षणिक कार्य में मदद मिलेगी। सोमवार को उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की प्रमुख सदस्य और दर्जा प्राप्त मंत्री देविका एस. देवेंद्र ने विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों की पढ़ाई की सुविधाओं के बारे में जानकारी की। कुलपति प्रो. आशु रानी ने बताया कि विश्वविद्यालय में 10 मंगलामुखी विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ट्रांसजेंडर सेल भी बनाया जा रहा है। इसके बाद दर्जा प्राप्त मंत्री जुबली हॉल में ट्रांसजेंडर समुदाय का समाज हेतु सहयोग, संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर हुई गोष्ठी में शामिल हुईं। उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि ट्रांसजेंडरों के सामने सामाजिक चुनौतियां अधिक हैं। समाज सहयोग करे तो ऐसे विद्यार्थियों के लिए आसानी होगी। यहां से सामुदायिक रेडियो पर अपने साक्षात्कार में सरकार की ओर से मंगलामुखियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। ब्यूरो

विवि में बनेगी सेल, ट्रांसजेंडर कर रहे हैं पढ़ाई, संगोष्ठी में हुआ मंथन

आगरा, कार्यालय संवाददाता। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में सोमवार को ट्रांसजेंडर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के समाज कार्य विभाग की ओर से जुबिली हॉल में ट्रांसजेंडर समुदाय का समाज हेतु सहयोग संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर गोष्ठी हुई। ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देविका एस. देवेंद्र मौजूद रहीं। संगोष्ठी से पहले उन्होंने कुलपति प्रो. आशु रानी और अधिकारियों के साथ बैठक भी की।

संगोष्ठी में दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री देविका एस देवेंद्र ने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों के बारे में अवगत कराया। निदेशक प्रो. मो. अरशद, कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार, प्रति कुलपति प्रो. अजय तनेजा आदि मौजूद रहे।

यूनिवर्सिटी में ट्रांसजेंडर सेल को बढ़ावा देने के लिए शुरू की जाएगी पहल

यूनिवर्सिटी में जल्द बनाई जाएगी ट्रांसजेंडर्स को सेल

PIC : DAINIK JAGRAN INEXT

डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में टेविका एस देवेन्द्र

agra@inext.co.in

AGRA (26 Feb.) : डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे ट्रांसजेंडर समाज के स्टूडेंट्स को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही ट्रांसजेंडर सेल खोला जाएगा. जिससे इस समाज से आने वाले स्टूडेंट्स की संख्या में इजाफा किया जा सके.

यूनिवर्सिटी की प्रगति को लेकर की चर्चा

प्रदेश कार्यकारिणी, सदस्य सलाहकार, उत्तर प्रदेश सरकार, राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड, दर्जा प्राप्त मंत्री देविका एस देवेन्द्र का आना हुआ. सबसे पहले उन्होंने कुलपति प्रो. आशु रानी, प्रतिकुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुल सचिव डॉ. राजीव कुमार, डीन अकादमिक प्रो. संजीव कुमार, प्रभारी संस्कृति भवन प्रो. संजय चौधरी, उप कुलसचिव पवन कुमार और जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना से मुलाकात की. उन्होंने यूनिवर्सिटी के विकास को लेकर मंथन किया.

बताए विज़न और मिशन

कुलपति ने उन्हें अवगत कराया कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 10 छात्र यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे हैं और आगे भी उनकी संख्या बढ़ें इसका प्रयास है. कुलसचिव द्वारा जल्द ही ट्रांसजेंडर सेल बनाया जा रहा है. बाकि सभी ने उन्हें यूनिवर्सिटी की विज़न और मिशन भी बताए. यूनिवर्सिटी के समाज कार्य विभाग के द्वारा जुबिली हॉल में ट्रांसजेंडर समुदाय का समाज हेतु सहयोग संभवनाएं एवं चुनौतियां विषय पर गोष्ठी की गई.

राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड, दर्जा प्राप्त मंत्री देविका एस देवेन्द्र का स्वागत करती कुलपति आशुरानी.

ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने चुनौतियां

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ट्रांसजेंडर बोर्ड की मुख्य सलाहकार एंव सदस्य देविका एस देवेंद्र मंगलमुखी रहीं. मुख्य वक्ता के तौर मुख्य अतिथि ने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों के बारे में छात्रों को अवगत कराया और साथ ही सब छात्रों से आगे इस मुहिम में जुड़ने का आव्हान भी किया.

समुदाय की उपयोगिता बताई

कार्यक्रम के दौरान ही समाज विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एम अरशद ने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय की समाज में स्थान एवं उनकी उपयोगिता के बारे में छात्रों को बताया. कार्यक्रम का समन्वय समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रनवीर सिंह ने किया. कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. एम हुसैन ने किया.

सामुदायिक रेडियो पर दिया साक्षात्कार

कार्यक्रम के दौरान यूनिवर्सिटी की कला संकाय की डीन प्रो. हेम पाठक, जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना, डॉ. राजीव वर्मा, डॉ. राजेंद्र कुशवाहा पुरोषोत्तम मथुरा आदि उपस्थित रहें. इसके इसके बाद ट्रांसजेंडर बोर्ड की मुख्य सलाहकार एवं सदस्य देविका एस देवेंद्र मंगलमुखी ने यूनिवर्सिटी के सामुदायिक रेडियो पर अपना साक्षात्कार दिया. इसके साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए कई नीतियों के बारे में बताया. इस दौरान रेडियो की इंचार्ज प्रो. अर्चना सिंह, कार्यक्रम अधिशासी पूजा सक्सेना और रफी इंजीनियर तरुण श्रीवास्तव उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय में बनेगा ट्रांसजेंडर सेल

जागरण संवाददाता, आगरा: डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर सेल बनेगा। सोमवार को विश्वविद्यालय पहुंची उत्तर प्रदेश सरकार, राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देविका एस देवेंद्र ने ट्रांसजेंडर की चुनौतियों पर चर्चा की। जुबली हाल में आयोजित गोष्ठी में छात्रों से ट्रांसजेंडर के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों से जुड़ने की अपील की।

विश्वविद्यालय के जुबली हाल मे आयोजित गोष्ठी को संबोधित करती उत्तर प्रदेश सरकार, राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देविका एस देवेंद्र ● सौ. विश्वविद्यालय

देविका एस देवेंद्र ने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों के बारे में बताया। छात्रों से उनकी मुहिम में जुड़ने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. आशु रानी ने बताया कि विश्वविद्यालय में 10 ट्रांसजेंडर छात्र पढ़ रहे हैं। जल्द ही ट्रांसजेंटर सेल बनाया जाएगा। कुलसचिव डा. राजीव कुमार, डीन अकादमिक प्रो. संजीव कुमार, प्रभारी संस्कृति भवन प्रो. संजय चौधरी, समाज विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. मोहम्मद अरशद, विभागाध्यक्ष प्रो. रनवीर सिंह मौजूद रहे।

ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के कौशल विकास पर जोर

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में शिक्षा का माहौल ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के अनुकूल बनाया जाएगा। इनके कौशल विकास पर जोर रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने चार सदस्यीय ट्रांसजेंडर सेल गठित किया है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि कुलपति प्रो. आशु रानी ने ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया है। समन्वयक प्रो. हेमा पाठक हैं,

विवि में सेल का गठन किया, यह विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान भी करेगी

सदस्यों में प्रो. रनवीर सिंह, डॉ. स्वाती माथुर और पूजा सक्सेना हैं। सेल को ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करने की जिम्मेदारी दी गई है।

सेल विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ बाहर भी गतिविधियां बढ़ाएगी। उनकी भी समस्याओं का समाधान कराने में भूमिका निभाएगी। इनके लिए कौशल विकास वाले कुछ पाठ्यक्रम संचालित करने की योजना है। वर्तमान में ट्रांसजेंडर समुदाय के करीब 10 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनकी संख्या और भी बढ़े, इस दिशा में प्रयास किए जाएंगे। 26 फरवरी को विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की मुख्य सलाहकार व सदस्य देविका एस. देवेंद्र मौजूद थीं। ब्यूरो

आईं ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की मंत्री देविका एस देवेंद्र, विवि में बताईं ट्रांसजेंडर्स के सामने आने वाली चुनौतियां एवं संभावनाएं, रेडियो पर दिया इंटरव्यू

उजाला आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में आज प्रदेश कार्यकारिणी, सदस्य सलाहकार, एवं राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड, दर्जा प्राप्त मंत्री देविका एस देवेन्द्र का आना हुआ. उन्होंने कुलपति प्रो. आशु रानी के साथ प्रति कुलपति प्रो अजय तनेजा, कुलसचिव डॉ राजीव कुमार, डीन अकादमिक प्रो संजीव कुमार, प्रभारी संस्कृति भवन प्रो संजय चौधरी, उप कुलसचिव पावन कुमार और जनसम्पर्क अधिकारी पूजा सक्सेना से मुलाकात की और विवि की प्रगति पर चर्चा की. कुलपति ने अवगत कराया कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 10 छात्र यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे हैं और आगे भी उनकी संख्या बढ़े, इसका प्रयास है. कुलसचिव ने बताया की जल्द ही ट्रांसजेंडर सेल बनाया जा रहा है. बाकि सभी ने उन्हीं विवि की विज़न और मिशन भी बताये। इसके बाद देविका एस ने समाज कार्य विभाग के द्वारा जुबिली हाल में ट्रांसजेंडर समुदाय का समाज हेतु सहयोग संभावनाएं एवं चुनौतियां नामक गोष्ठी में गई. उन्होंने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों के बारे में छात्रों को अवगत कराया और साथ ही साथ छात्रों से अपनी इस मुहिम में जुड़ने का आव्हान भी किया. समाज विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो मो अरशद ने छात्रों को ट्रांसजेंडर समुदाय की समाज में स्थान एवं उनकी उपयोगिता के बारे में छात्रों को अवगत कराया. कार्यक्रम का समन्वय समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो रनवीर सिंह ने किया।

इसके बाद देविका एस देवेंद्र मंगलामुखी ने सामुदायिक रेडियो पर अपना साक्षात्कार दिया और सरकार द्वारा चलाई जा रही ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए कई नीतियों के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि ?अब चुप्पी तोड़ो और सामने आकर शिक्षा ग्रहण कर अपने को मजबूत बनाओ और देश की प्रगति में सहयोग करो. उन्ही खुद भी उच्च शिक्षा के द्वारा ही आज ये सम्मान और राज्य सरकार का दर्जा प्राप्त हुआ है. रेडियो की इंचार्ज प्रो अर्चना सिंह, कार्यक्रम अधिशासी पूजा सक्सेना और रफी इंजीनियर तरुण श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

विवि में ट्रांसजेंडर सेल का गठन

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया गया है। इसमें चार सदस्य शामिल किए गए हैं। सेल विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले ट्रांसजेंडर छात्रों की समस्याओं के समाधान के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करेगी।

कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार के अनुसार विश्वविद्यालय में सामाजिक समन्वय के तहत ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया गया। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के शैक्षणिक माहौल को अनुकूल बनाने, शैक्षणिक स्तर को मजबूत करने, सामाजिक जीवन में आने वाली दुश्वारियों का समाधान करने, विश्वविद्यालय के साथ ही बाहर भी गतिविधियां बढाये जाने एवं कौशल विकास के साथ ही आत्मनिर्भर बनाने के लिए सेल का गठन किया गया है।

शैक्षणिक माहौल अनुकूल बनेगा

ट्रांसजेंडर सेल की समन्वयक प्रो. हेमा पाठक को बनाया गया है। वहीं सेल में प्रो. रनवीर सिंह डॉ. स्वाती माथुर, और पूजा सक्सेना शामिल होंगी। कुलपति प्रो. आशु रानी ने सभी सदस्यों को निर्देशित किया है कि वह विवि में ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों की समस्याओं का ससमय निवारण करना सुनिश्चित करें।

विश्वविद्यालय में बना ट्रांसजेंडर सेल

- कौशल विकास के साथ आत्मनिर्भर बनाने पर रहेगा जोर
- प्रो. हेमा पाठक को सेल का समन्वयक बनाया गया

जासं, आगरा: डा. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया गया है। सेल के माध्यम से ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक माहौल को अनुकूल बनाने, कौशल विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जाएगा।

राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की सदस्य सलाहकार देविका एस. देवेंद्र 26 फरवरी को आगरा आई थीं। उन्होंने कुलपति प्रो. आशु रानी से मुलाकात की थी। कुलपति ने उन्हें विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर समुदाय के 10 विद्यार्थियों के पहुंचने और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास करने की जानकारी दी थी। कुलपति प्रो. आशु रानी के निर्देश पर विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर सेल बनाई गई है।

इसका समन्वयक प्रो. हेमा पाठक को बनाया गया है। प्रो. रनवीर सिंह, डा. स्वाति माथुर और पूजा सक्सेना को सेल का सदस्य बनाया गया है। सेल ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को मजबूत करने, सामाजिक जीवन में आने वाली दुश्वारियों का समाधान करने और विश्वविद्यालय के साथ ही बाहर भी गतिविधियां बढ़ाने का काम करेगा। कुलसचिव डा. राजीव कुमार ने सेल को विश्वविद्यालय में ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों की समस्याओं का समय पर निवारण सुनिश्चित कराने को कहा है। साथ ही उनके लिए शैक्षणिक माहौल भी अनुकूल रहेगा।

थर्ड जेंडर को अधिकारों के साथ समान नजरिया भी

डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी ने खोला ट्रांसजेंडर हेल्प को सेल

agra@inext.co.in

AGRA (1 March) : जेंडर या लैंगिक पहचान समाज में एक महत्वपूर्ण बात है. इस पहचान को सामाजिक मान्यताओं ने दिनों-दिन पुख्ता किया और समाज जेंडर को देखने व समझने को तैयार हो गया है. इस कारण ही समाज में थर्ड जेंडर को लेकर जो धारणा बनी वह उनकी पहचान पर भी संकट पैदा करने वाली थी क्योंकि वह प्रचलित बाइनरी से बाहर थे लेकिन डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर थर्ड जेंडर को समान अधिकारों के साथ जीने का मौका दिया है, थर्ड जेंडर को बढ़ावा देने के लिए सेल का शुभारंभ भी किया गया है.

न्यायालय से मिली कानूनी मान्यता

समाज में समान अधिकार के लिए थर्ड जेंडर समुदाय लंबे समय से संघर्ष कर रहा था. यह संघर्ष सामाजिक और संवैधानिक दोनों स्तरों पर चल रहा था. पहचान के लिए समाज की स्वीकृति और संवैधानिक मान्यता दोनों बहुत जरुरी थे. इस मामले में 15 अप्रैल 2014 को न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले ने थर्ड जेंडर को संवैधानिक अधिकार दे दिए और सरकार को निर्देशित किया कि वह इन अधिकारों को लागू करने की पहल शुरू करें. उसके बाद 5 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद थर्ड जेंडर के अधिकारों को कानूनी मान्यता मिल गई.

जिले ट्रांसजेंडर की संख्या	यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे ट्रांस जेंडर	माध्यमिक स्तर पर पढ़ रहे ट्रांसजेंडर
1125	10	175

शैक्षिक अधिकार से मिलेगी मजबूती

सामाजिक समन्वय के तहत ट्रांसजेंडर स्टूडेंट्स के लिए एजूकेशन का माहौल बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है. डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. आशु रानी ने बताया कि राज्यपाल आनंदी बेन की मंशा के अनुरूप ट्रांसजेंडर को समाज में समान स्थान दिलाने के लिए उनको शैक्षिक रूप से मजबूत कराना है, इसी क्रम में पहली बार यूनिवर्सिटी कैंपस में ट्रांसजेंडर सेल खोला गया है, जहां उनकी समस्या का निस्तारण कराया जाएगा. वर्तमान में दस ट्रांसजेंडर को प्रवेश दिया गया है.

थर्ड जेंडर को मिलेगी आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा

डॉ.भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी में थर्ड जेंडर की मदद के लिए सेल खोला गया है, जहां आने वाले थर्ड जेंडर की समस्या को संज्ञान में लेकर सॉल्व किया जाएगा. इससे पढ़ लिखकर वे भी समाज का हिस्सा बन आत्मनिर्भर बन सकेंगे. इससे थर्ड जेंडर समुदाय के लोगों को आर्थिक और सामाजिक तौर पर सुरक्षा तो मिलेगी ही साथ में उनकी पहचान को सामाजिक स्वीकृति मिल सकती है. अब तक परिवार जिन्हें स्वयं की पहचान से भी अलग करता रहा, इसके साथ ही पारिवारिक एवं सामाजिक सोच में थोड़ा बहुत परिवर्तन आए लेकिन यह फैसला परिवार की सोच में परिवर्तन से ज्यादा थर्ड जेंडर समुदाय के हक एवं पहचान के लिए महत्वपूर्ण है.

यूनिवर्सिटी में ट्रांसजेंडर को शैक्षिक माहौल देने के लिए सेल को शुभारंभ किया गया है, उनका शैक्षिक स्तर मजबूत करने के लिए सामाजिक जीवन में आने वाली चुनौतियो को सॉल्व करने के लिए कौशल विकास के के तहत आत्म निर्भर बनाया जाएगा.

प्रो. आशु रानी, कुलपति डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी

यूनिवर्सिटी में ट्रांसजेंडर सेल का गठन किया गया है, यहां आने वाले स्टूडेंटस की समस्या का समाधान किया जाएगा. सेल की निगरानी के लिए भी जिम्मेदारी दी गई है. वर्तमान में दस ट्रांसजेंडर पढ़ रहे हैं.

राजीव कुमार, कुलसचिव

ट्रांसजेंडर को समाज में बराबर का स्थान मिलना चाहिए, सरकार द्वारा भी इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है, अगर उनको शैक्षिक स्तर से मजबूत किया जाए तो ये सराहनीय पहल होगी.

डॉ. रचना सिंह, समाजसेवी